

कामीकाजे



HEMANT
JAGUJI
003
GOVIND RAM

राज
राजवर्ष

आतंकवाद
वागरीश

आजादी हर इंसान का नैतिक अधिकार है। कोई इसे छीनने की चेष्टा करेगा तो नफरत की चिंगारियां पैदा होंगी ही होंगी।

पूर्व कॉमिक रॉनिन में आपने पढ़ा कि 1945 के द्वितीय विश्वयुद्ध में अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा और नागासाकी शहरों पर परमाणु बम गिरा कर जापान पर लाशू किया आर्टिकल-9 जिसकी खिलाफत करके जापान की रक्षा का बीड़ा उठाया गुरु कोशीमासा ने। उसकी अमेरिका विरोधी गतिविधियों को देशद्रोह करार दिया गया और उसे गिरफ्तार करके किसी गुप्त जेल में डाल दिया गया। कियो ने की थी नागराज को मारने की कोशिश इसलिए कियो की तलाश में नागराज आ गया था जापान। जहां वो जापान की आतंकवाद की आग में घिर गया है। फुचू जेल में कैद ओम् गुरु कोशीमासा को रिहा कराने के लिए शूतिन ने किया था सुसाइड अटैक। उनको रोकने के लिए मिलिट्री इंटेलिजेंस का जांबाज अफसर जेट-ली तैयार था। अब आगे जानने के लिए पढ़ें-

संजय गुप्ता पेश करते हैं!

कामीकाजे

THE SUICIDE ATTACKERS
(Adventure in Japan-II)

राज कॉमिक्स है मेरा खजाना!

परिकल्पना
विवेक मोहन
अनुराग सिंह

लेखक
संजय गुप्ता
तरुण कुमार वाही

चित्रांकन
हेमंत

इंकिंग
जगदीश कुमार

इफैक्ट
शादाव

कैलीग्राफी
हरीश शर्मा

सह संपादक
मंदार गंगोले

संपादक
मनीष गुप्ता



फुच्चू जेल

कोसीमासा जापान का मुजरिम है शूतिन। तुम इसे नहीं ले जा सकते।

गुरु कोसीमासा बुद्ध के अवतार हैं। हम इन्हें कैद में नहीं रहने देंगे। देखते हैं हमें कौन रोकता है।


शूतिन को रोकने वालों की सांसे रुक जाती हैं!

सेक्रेण्ड वर्ल्ड वार में इम्पीरियल एयर फोर्स का सबसे खूंखार सिपाही था।

अकेले मैंने 22 विमान मार गिराए थे।

मैं रोकूंगा तुम्हें।

हवाओं को चीर कर एलाईड फोर्स के सीनों की धड़कनें बंद कर देता था।



तब एक दिन कमाण्डर
तमाड़ ने कामीकाजे अटैक
का प्लान बनाया। जिसमें दुश्मन
के युद्ध पोतों पर विमान
टकराने थे।


मैं भी अपने
राजा हीरो हीतो के लिए
उस अटैक में शामिल हुआ।
विमान लेकर उड़ा और सीधा
युद्धपोत से टकरा
गया।

दुश्मन के युद्धपोत
की जान निकाल गई, मेरी बच
गई। शरीर टूट-फूट गया लेकिन
मनोबल नहीं। तब भी देश के काम
आया था आज भी देश के
काम आऊंगा।


सेकेंड वर्ल्ड वार में भी
लड़ी थी। लेकिन मैं तब भी देश के
लिए लड़ा था और आज भी देश
के लिए लड़ रहा हूँ।

तेरा मनोबल आज मैं तोड़
दूंगा शूतिना तब जो तूने किया वो
देशभक्ति थी। आज जो कर
रहा है वो देशद्रोह है।


तूने सिर्फ टकराना
सीखा था शूतिना मैंने काटना
सीखा था। आज मैं तेरे इरादों
के साथ तेरे शरीर को भी
काट दूंगा।




तो एक टक्कर
आयरन हैंड की खा और बता,
कि अब तू कुछ काटने लायक
रहा भी है या नहीं?




मेरी टक्करें मोटी दीवारें
तक तोड़ देती हैं। तेरी हड्डियां
भी नहीं बचेंगी जेटली।



भून डालो
इन्हें।

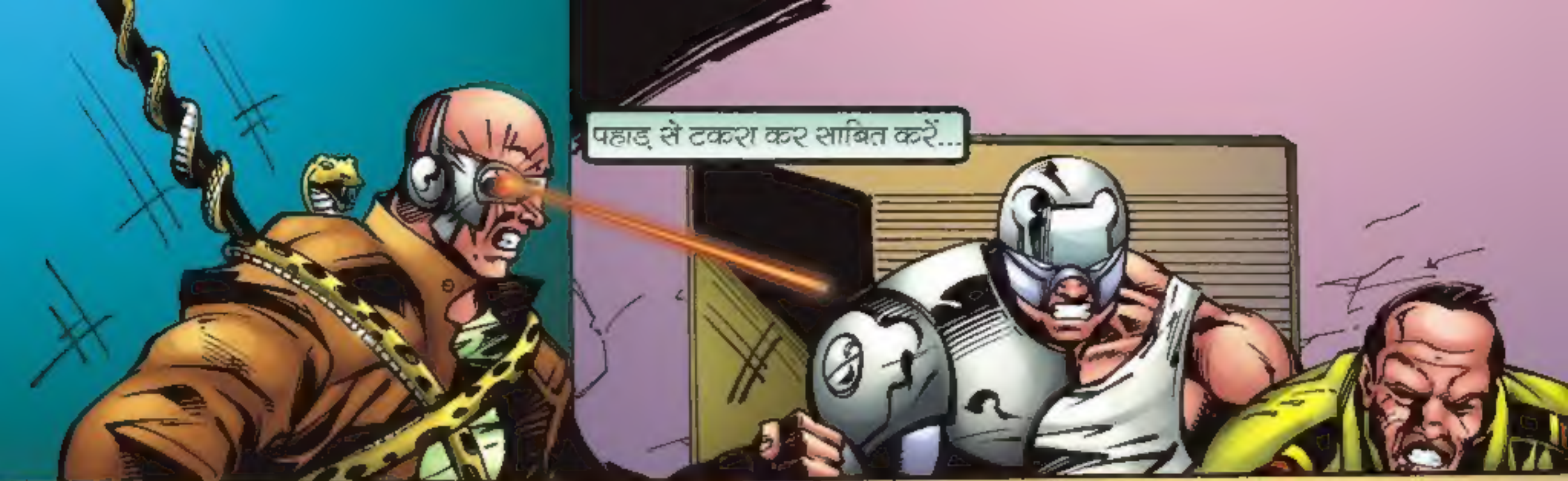


कामीकाजे का
अर्थ होता है देवताओं
की हवा जो सारी मुसीबतों
को उड़ा ले जाती है। ये
प्रचण्ड होती है।



कामीकाजे में अपने
अंग भंगाने के बाद हम युनिट
731 को सौंप दिए गए थे। जापानी सेना
हम जैसे योद्धाओं को नहीं खोना
चाहती थी और तब हमें मिले थे
ये स्टीली घातक अंग।

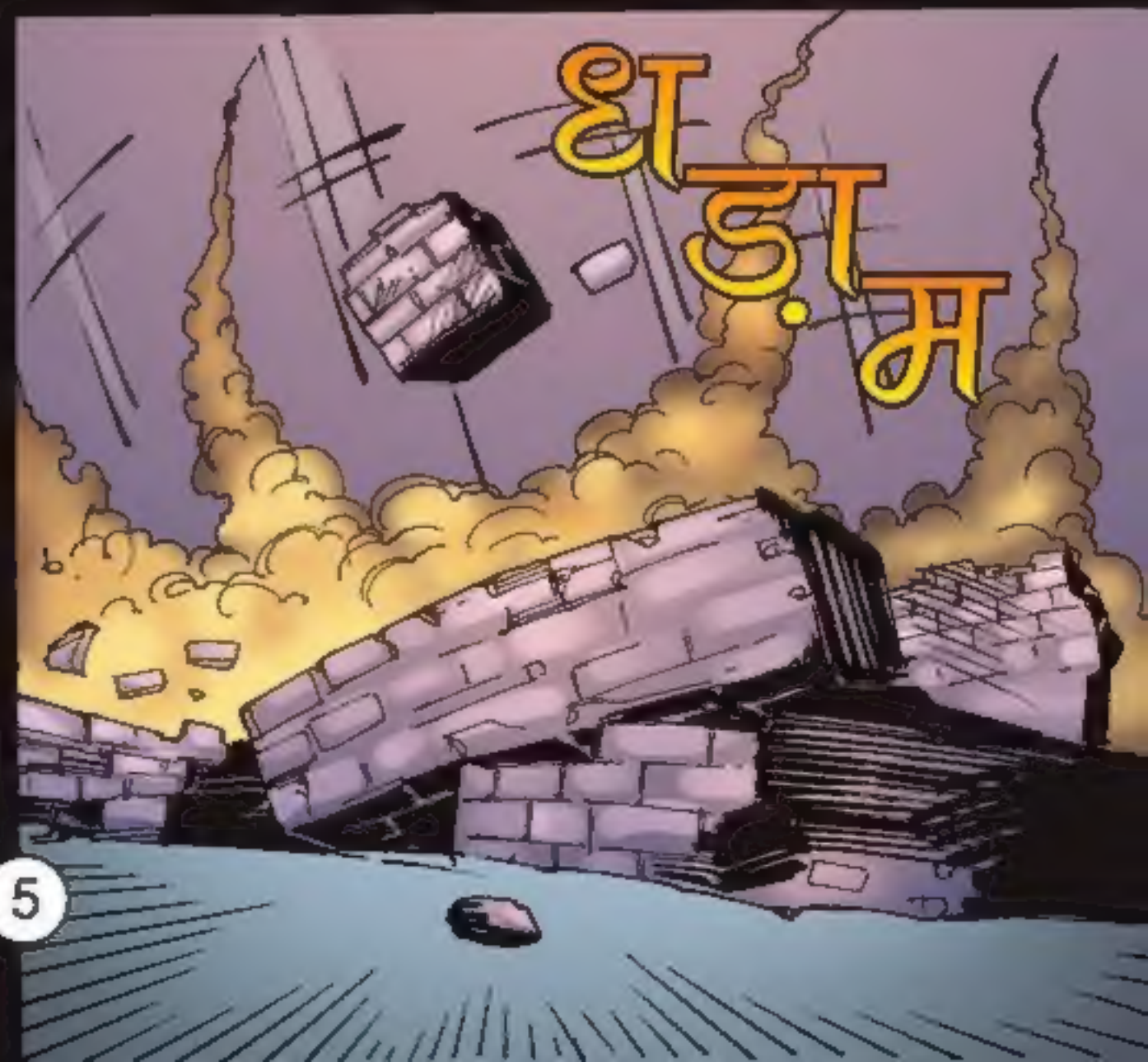
रुई को धून कर खुद को
घातक साबित कर रहे हैं ये।



पहाड़ से टकरा कर साबित करें...



...घातक होंगे या होंगे आहता





तुझे अपनी टक्कर पर बहुत नाज है ना आयरन हैड। तो आ जा, हो जाउ एक मुकाबला कि कौन किसे कहां घुसाता है?

ओह!

शूतिन तुझे चीर कर रख देगा नागराज। गुरु कोसीमाशा की शक्तियों से अभी परिचित नहीं है तू।

ध्वाड.



मैं अपने दुश्मन के
उतने टुकड़े करता हूँ जितनी
की मेरी उम्र होती है।



तेरे 84 टुकड़े
करूंगा मैं।

कमबख्त यहां जापान में क्या सभी मार्शल आर्ट्स के माहिर होते हैं?



वो भी हार्टटेक मार्शल आर्ट्स।



ओह नहीं! इन लोगों की मृत्यु के साथ ही खत्म
हो गई इनके सखना तक पहुंचने की उम्मीद भी!



मेरा नाम
जेट-ली है!

ये द्वितीय विश्वयुद्ध
में अपंग हुए सिपाही थे
जिन्होंने अपने कटे अंगों की
जगह मशीनी अंग लगवा
लिए होंगे।

ये
यहां बुरु
कोशीमासा
को आजाद
करवाने
आए थे।

मदद के
लिए धन्यवाद
नागराज!

ये तीनों
आतंकवादी
संगठन ओम
के सुसाइड
क्वैटर्स
थे।

अगर तुम समय
पर ना आए होते तो आज ये
कोशीमासा को ले जाने में
सफल हो जाते।

तुम
यहां कैसे पहुंचे
नागराज?

ब्रेकिंग
न्यूज सुन
कर।

मैं कोशीमासा
के बारे में विस्तार से
जानना चाहूंगा।



कोशीमासा
1925 में एक
गरीब परिवार में
पैदा हुआ था। बचपन
में ही उसकी एक
आंख जाती रही।
इस कारण साथी
दोस्त उसका
मजाक उड़ाते
थे।

उसने खुद को
दुनिया से दूर कर लिया
और बुद्धिस्ट कल्ट और
नास्त्रेदमस की पढ़ाई में
समय बिताने लगा।

उसके
विचार रुढ़िवादी होते
चले गए।



अविष्य को
जानने की भी इच्छा
थी उसमें।

1945 के द्वितीय विश्वयुद्ध में अमेरिका ने नागासाकी और हिरोशिमा पर परमाणु बम गिराए थे। उसका मानना था कि अमेरिका जापान पर कभी भी दोबारा हमला कर सकता है और वो दिन प्रलय का दिन होगा।

वो चाहता था कि जापानी मिलिट्री के पास भी ऐसे हाईटेक हथियार हों, जिससे वो अमेरिका से टकरा सके। लेकिन जापान की 'नॉन व्यूक्लिडर पॉलिसी' और 'आर्टिकल 9' की वजह से ऐसा संभव नहीं था। जापान को विध्वंसक हथियार बनाने की अनुमति नहीं थी।

कोशीमासा ने खुद ही ये काम करने का बीड़ा उठाया।

यानी उसने खुद ही विध्वंसक हथियार बनाने की ठान ली।

किंतु इस प्रोजेक्ट के लिए बेशुमार पैसा चाहिए था। इसके लिए उसने एक धार्मिक संगठन 'ओम' की स्थापना की। वो कहता था कि प्रलय के दिन वही लोग बचेंगे जो उसकी शरण में आएंगे।

उसने अविव्यवर्णी की कि प्रलय के दिन अग्नि मसीहा उत्पन्न होगा और जापान की रक्षा करेगा। प्रलय के डर से धर्म भीरु जनता डर गई। ओम के सैकड़ों-हजारों अनुयायी हो गए। संगठन को बेशुमार पैसा मिलने लगा। मगर कोशीमासा का असली उद्देश्य कोई नहीं जानता था।

उसके अनुयायियों में डिफेंस से जुड़े ऑफिसर, वैज्ञानिक, टेक्नीशियन्स, भी थे। अपने प्रोजेक्ट के लिए उसने 'मिलिट्री' के आठ टेक्नीशियन्स और परमाणु वैज्ञानिकों का अपहरण किया।



इसी बीच
पुंटी कल्ट लायर
टोमो शोबो ने ओम पर केस
कर दिया कि ये लोग धर्म के नाम
पर जबरदस्ती अपने शिष्यों
से पैसा वसूलते हैं।

तब इसने हदबंदी में
सरीन गैस अटैक कर
पूरे जापान को दहका दिया था।
इस अटैक में 200 निर्दोश
जापानी मारे गए थे।

कोशीमासा ने सोचा
था कि इससे जापान सरकार
डर जाएगी लेकिन हुआ इसका
उल्टा। इसके संभटन पर
पुलिस रेड हुई।

कोशीमासा का
गिरफ्तार कर लिया
गया और ओम पर बेन
सभा दिया गया।



कोशीमासा पर मुकद्मा
चला लेकिन पूरे जापान में फैले उस
के हजारों अनुयायियों के भद्के उठने
की आशंका के कारण फैसला
अभी तक अटक हुआ था।

'ओम' के ही एक
सदस्य शिबोहीरो ने इसके
कई गैर कानूनी हथियारों के अट्टे
पकड़वाए और वो कोशीमासा
के खिलाफ सरकारी
अवाह बन गया।

इस अटके हुए फैसले को मुझे तेल
में ही खत्म कर देना चाहिए था।

लोकन वह जजर वृद्ध इस लायक नहीं लग रहा
था। उसके चेहरे पर परम शान्ति के भाव थे।

उम्र जापान में धोखा दे सकती है

जेट ली
तुम्हारी उम्र
क्या है?

64 वर्ष।

नागराज
कल सुप्रीम
कोर्ट में
कोशीमासा
की पेशी
होनी है।

शायद ये उसके
मुकदमे के फैसले की
आखिरी पेशी हो।

उसके अनुयायियों के
पास भी शायद उसे आजाद
करवाने का ये अंतिम
अवसर हो,

जिससे वो किसी
भी कीमत पर खोने
नहीं देना चाहेंगे।

उम्र से बूढ़ पर शरीर से जवान होने है या लाकन फिर भी मुझ
यह ध्यान रखना है कि कोशीमासा एक धार्मिक बरु हैं।

कहा मेरे किसी कदम से लांग की धार्मिक आस्था पर काड़
चोट ना पहुच जाए जिससे कि जापान की शानि भंग हो जाए।

लेकिन हम
अपने मुकदमे में जरूर
कामयाब होंगे

अब आखिरी
मौका है...

...कल सुप्रीम कोर्ट में मेरी
पेशी होगी या तो मेरा फैसला कर दिया
जाएगा या मुझे मिलिट्री इंटेलाजेस के धुरंधर
और कसाई जार्जस जेट-ली को सौंप दिया जाएगा
जिसके पास कौड़ी जिंदा जाते तो हैं मगर
जिंदा हौटते नहीं।

पूरे जापान में
फैले अपने अनुयायियों
का आह्वान करो।

जापानी सरकार
को अपनी ताकत
दिखाओ।

आज नागराज
ने अपनी ताकत
दिखाई है।

हमें डराने
की कोशिश
की है।

कल तुम उसे
डराओगे।

उसे अपनी
ताकत दिखा
दोगे।

"कल मुझे कोर्ट से जस्टर छुड़ाना है। ओऽम"

अमेरिका
की बुलाही नहीं
सहेँगे।

गुरु
कोशीमासा
निर्दोष हैं।

गुरु
कोशीमासा को
छोड़ दो।

वो देशद्रोही नहीं,
देशभक्त हैं।

गुरु
कोशीमासा..

त्रिंदाबाद!!

ये जुमूस गैर
कानूनी है।

इसकी
आवाज नहीं ली
गई है।

इसे यहीं पर समाप्त
किया जाए, अन्यथा सख्त
कार्यवाही होगी।

वूऊऊऊऊऊऊऊऊ

कार्यवाही नो
होगी। मगर हमारे झुकने
की नहीं।

हम विदेशियों
के आगे घुटने नहीं
टेकेंगे।

गुरु कोशीमासा
को छुड़ाकर रहेंगे।

उनका बाल
औं बांका नहीं होने
देंगे।

खनाक!!!

खनाक!!!



रोकना है
तो नागराज
को रोक दो।

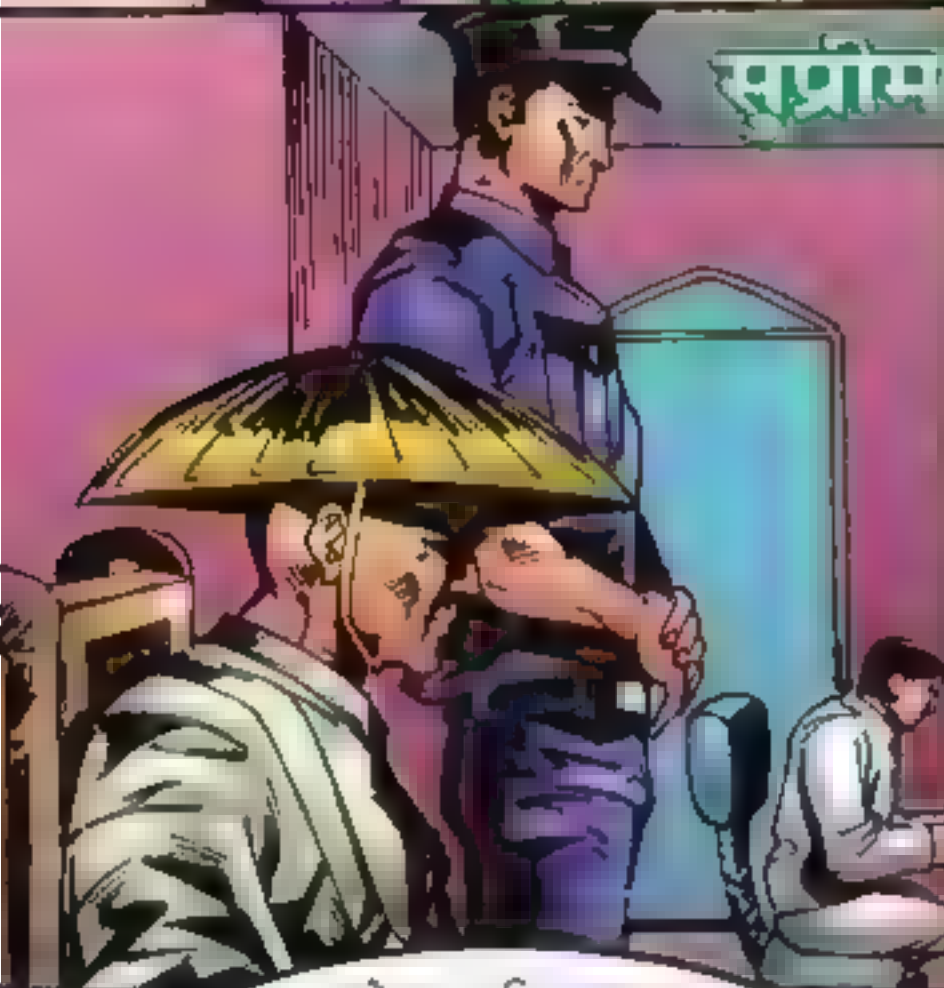
नागराज
वापस जाओ॥

आसू जैसे
दावो।



कल की घटना के कारण उन्हें लग
रहा है कि यदि मैं सूसाइड अटैकर्स
के रास्ते में नहीं आता तो वे लोग
अपने गुरु को जेल से आजाद
करवाने में सफल हो जाते।

इसलिए मुझे जापान की आजादी
का दुश्मन बताया जा रहा है।

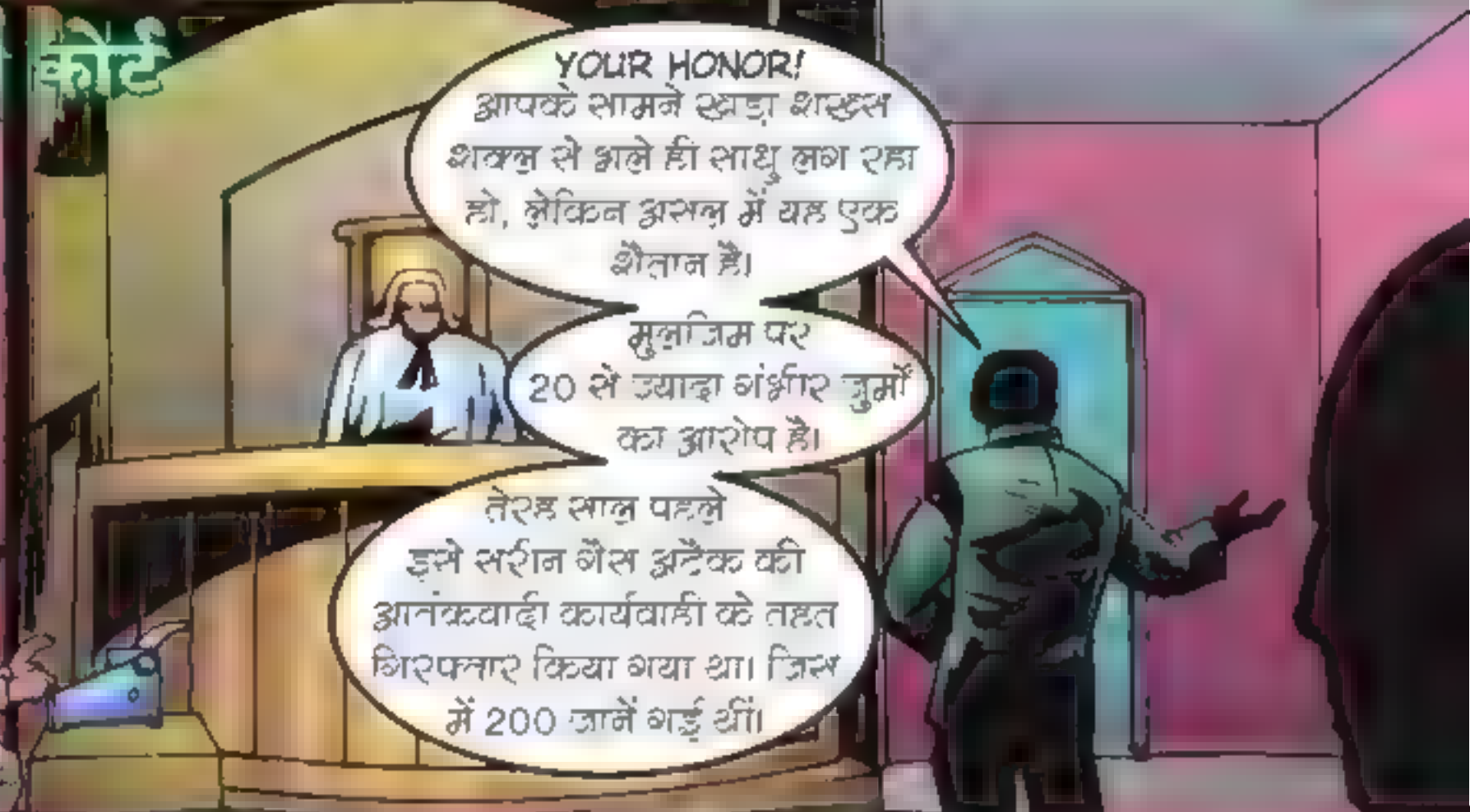


सप्रोप कोर्ट

YOUR HONOR!
आपके सामने खाड़ा शास्त्र
शस्त्र से भले ही साधु लग रहा
हो, लेकिन असल में यह एक
शैतान है।

मुल्जिम पर
20 से ज्यादा गंभीर जुर्मों
का आरोप है।

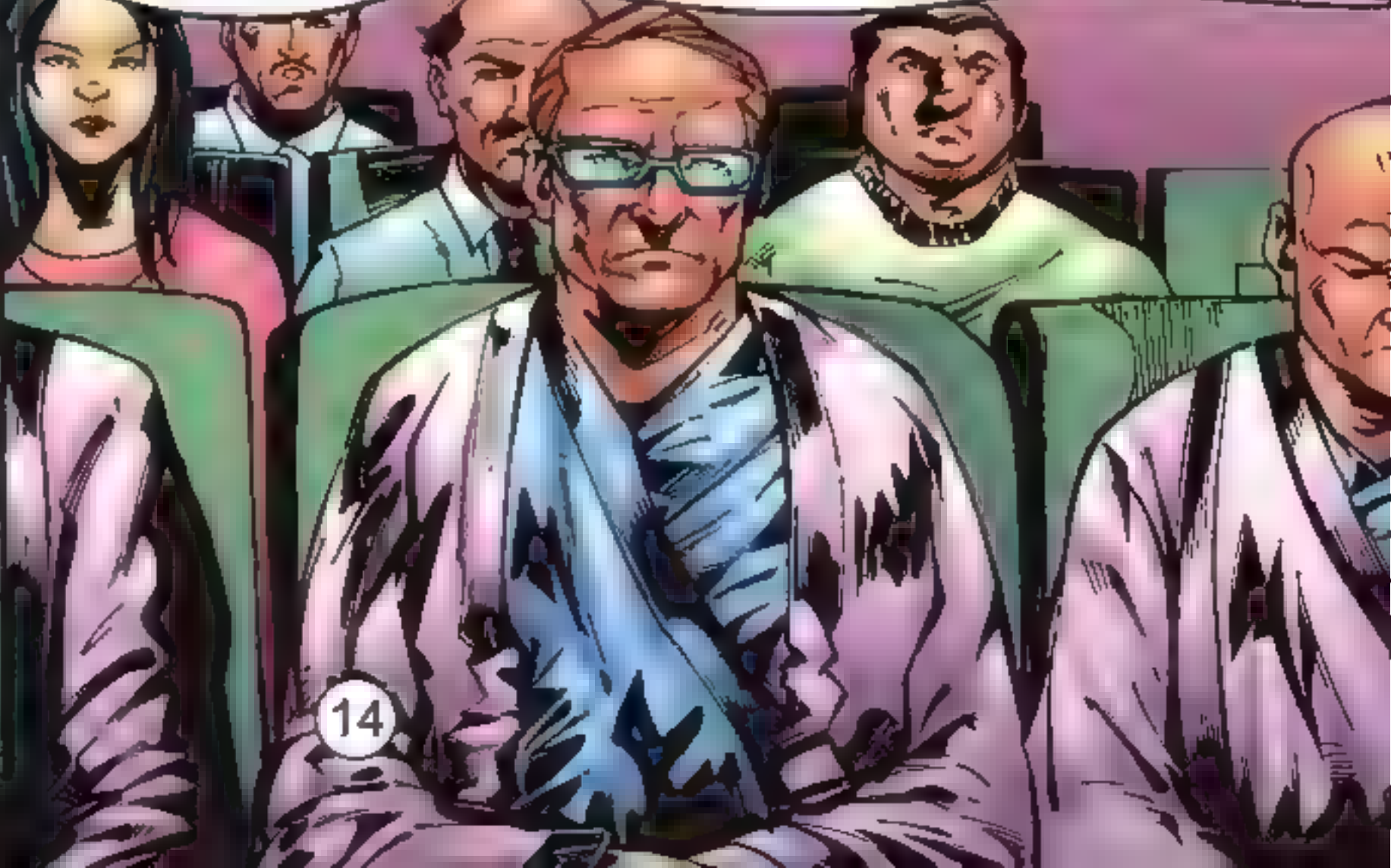
तेरह साल पहले
इसे सरान गैस अटैक की
आतंकवादी कार्यवाही के तहत
गिरफ्तार किया गया था। जिस
में 200 जानें गई थीं।



इसने मास डिस्ट्रक्शन
के हथियार बनाए। सरान गैस, इबोला
वायरस इत्यादि उल्लेखनीय हैं। पूरे
जापान में इसकी फैक्ट्रीज
का जाल बिछा था।

पिछले तेरह सालों
से यह एकदम खामोश रहकर
अपनी बेगुनाही का नाटक
रच रहा है

जबकि इसके पीछे कारण
यह है कि अदालती कार्यवाही को यह अवसर
करना चाहता था। जिसके कारण यह
आज तक सजा से बचा रहा।



...और अब तो इसने इतिहास
ही कर दिया। इतने सालों में इसने जेल
में रहकर ही अपना नेटवर्क इतना
सुदृढ़ कर लिया है कि ..

यह इतना
ताकतवर हो चुका है
कि यह अब जापान
सरकार को ही चुनौती दे
रहा है। यह खतरनाक
सुन्नजिम देश के लिए
घातक संकट
बन चुका है।

कोशीमासा
का गुनाह साफ है। इसे
सजा-ए-मौत दी
जाती है।

.. खुद को छुड़वाने के
लिए यह अमेरिका तक को
चेतावनी देने लगा। इसके प्रतिबद्धित
आतंकवादी गिरोह ने अमेरिकन
एम्बेसी पर सरीन गैस और प्लेक्स
का हमला किया। इसे छुड़वाने के
लिए फुच्चू जेल पर सुसाइड
आटैक किया।

मेरा माननीय उज्ज
साहब से अनुरोध है कि
सुन्नजिम के जुर्मों की
गंभीरता को देखते हुए
उसे तुरंत कड़ी से कड़ी
सजा दी जाए।

तेरे दिन पूरे हुए
कोशीमासा बहुत दिन
बच लिया न।

POLIZEI

गाड़ियों के काफिले को
आगे क्यों नहीं बढ़ा रहे? कोशीमासा
को यहां ज्यादा देर तक नहीं रोक सकते।
ओम के अनुयायियों को फैसले की खबर
लगते ही वो सड़कों पर उतर कर किसी
भी अनहोनी घटना को अंजाम
दे सकते हैं।

POLIZEI

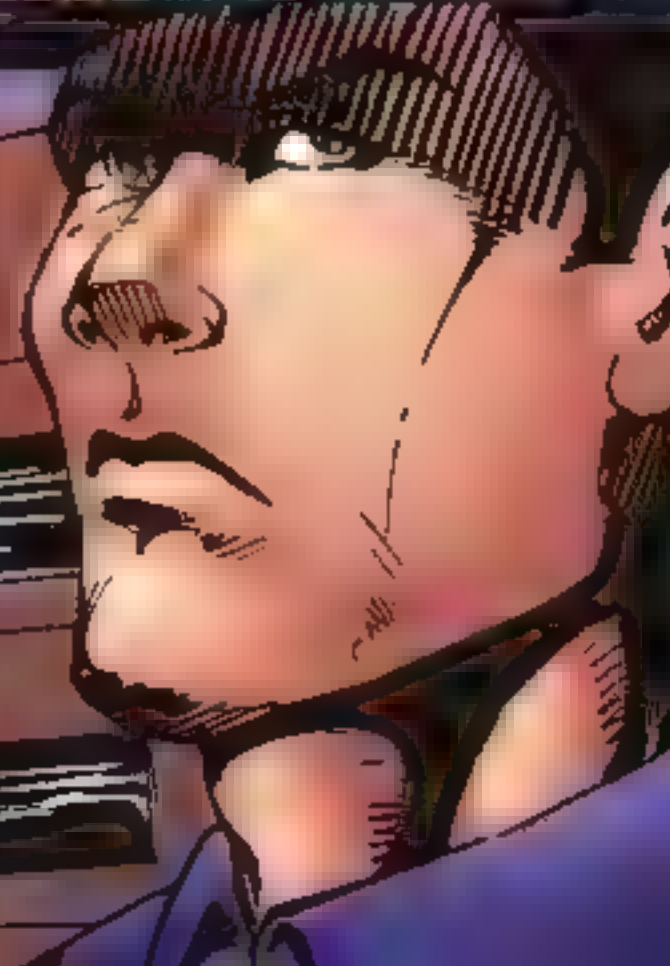
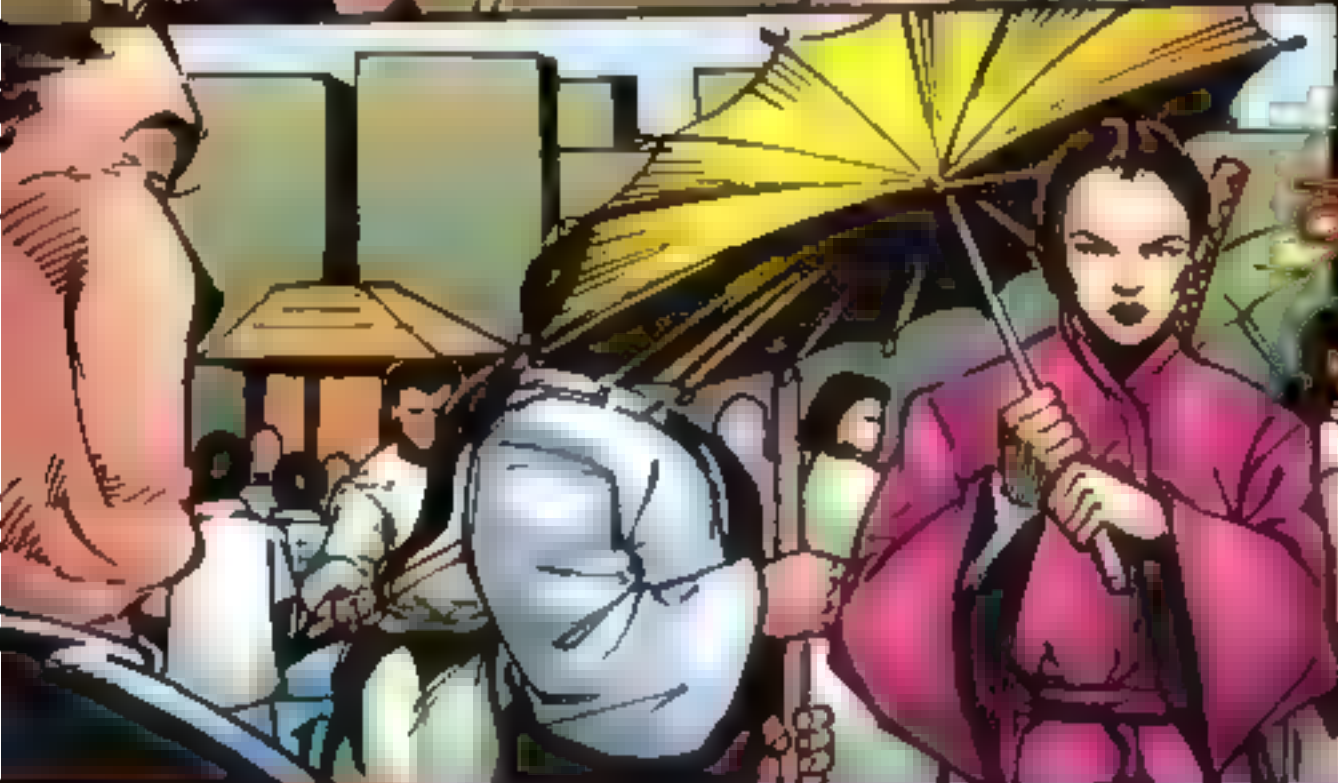
कुछ देर रुकना
होना सर। कोर्ट के मेन
गेट के बाहर सड़क से काबुकी
थिएटर आर्टिस्ट्स का जलूस
निकल रहा है।

ये एक 'सोशल
इवेंट' है सर। सिनेमा के इस
आधुनिक युग में थिएटर से जुड़े हुए
ये लोग थिएटर को जिंदा रखने के लिए
टोकियो की सड़कों पर नाटकों
का प्रदर्शन करने हैं।

O SHIT!
इस प्रदर्शन
को थोड़ी देर तक
पीछे ही रोकना
चाहिए था।



तुम
सर्जी! चौकस
रहना। मैं अर्जी
आता हूं।





इस दिन का
बेसब्री से इंजारे
था मुझे।

झब्बाक!!!

हियाहSSSSह!!!

सांय!!!

ओह! ये काबुकी
आर्टिस्ट नहीं हैं। ये लोग 'ओम'
के सदस्य हो सकते हैं।



ये लोग अपने
गुरु कोशिमारा को
टुड़ाने आए हैं।

सर्जी
येन को कवर
करो।

सांय!!!

उफ!



आज
कोई कवर,
कोई कवच नहीं
बचा पाउगा
कोशिमारा को।

झब्बाक!!!



हियाहSSSSह!!!

झब्बाक!!!

मुझे
अपने टारगेट तक
पहुंचना है।

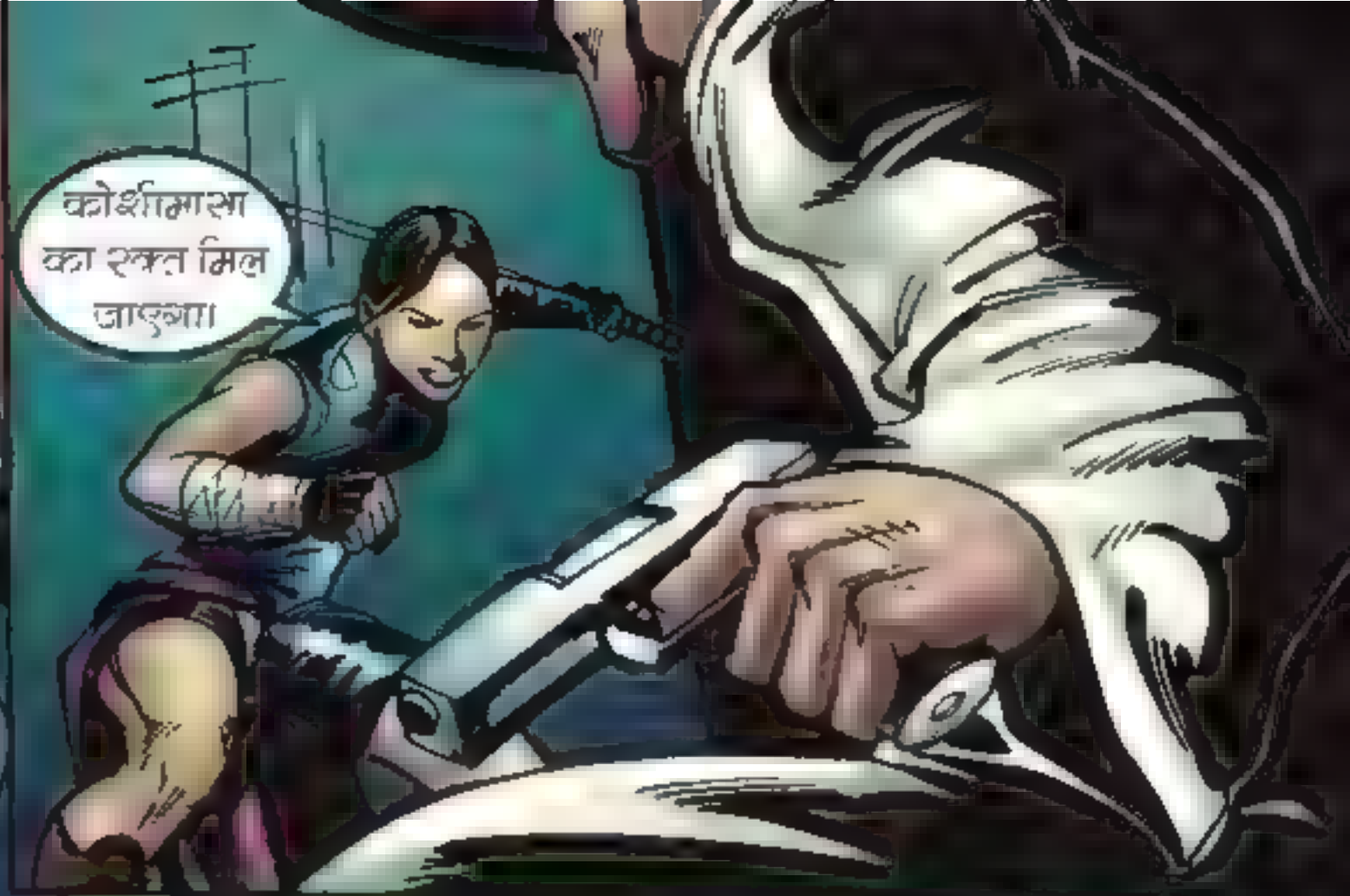


कई वर्षों से
कोशीमासा के रक्त
की प्यासी है मेरी
कटाना टोमो!



...आज बुझ
जाएगी इसकी
प्यास!

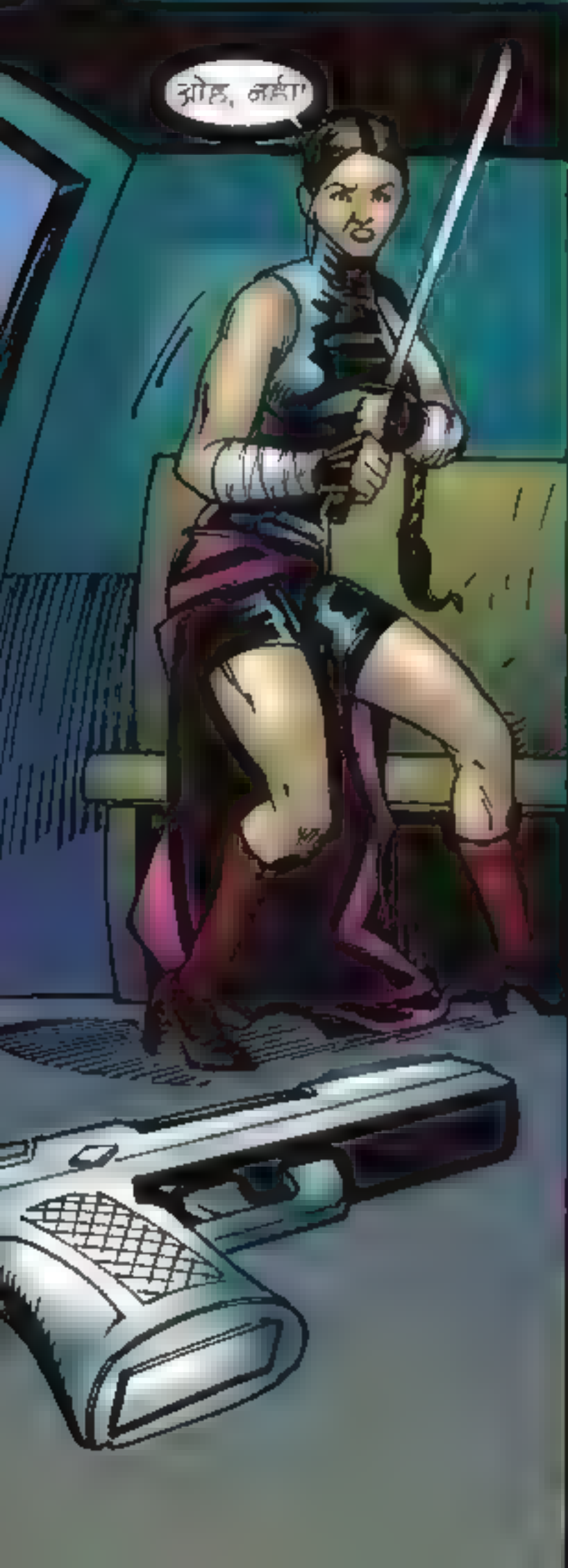
भाय!!!



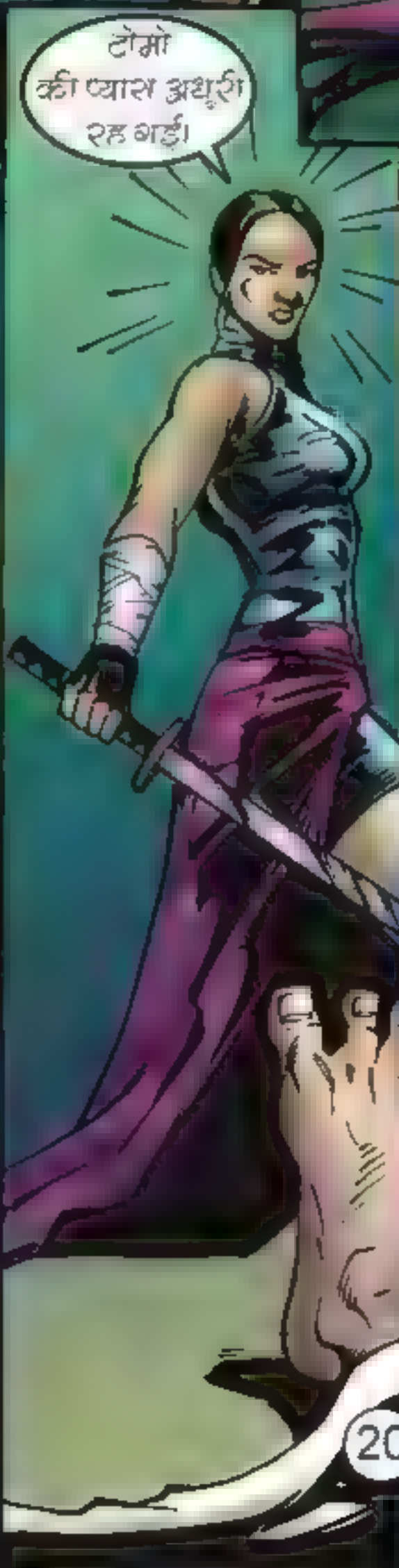
कोशीमासा
का रक्त मिल
जाएगा!



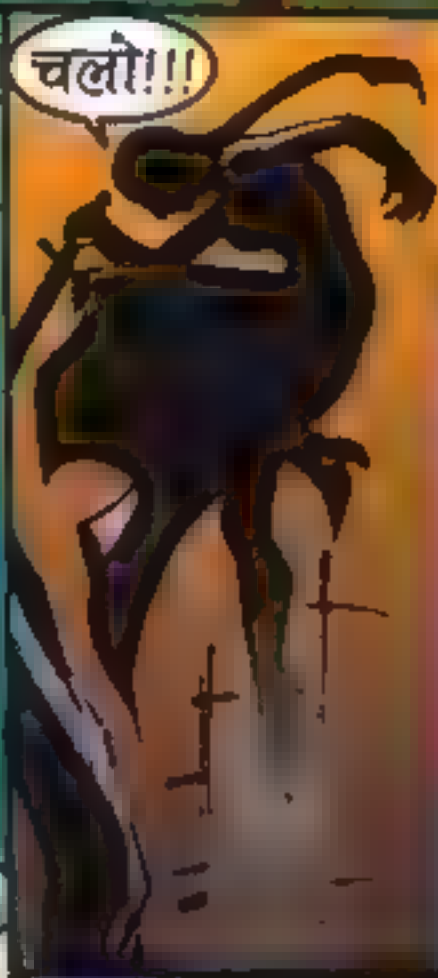
...पूरा हो
जाएगा मेरा
बदला!



ओह, नहीं!



टोमो
की प्यास अधूरी
रह गई!



चलो!!!



भून दो
उन्हें!!

जिंवा जिंवा जिंवा!!!

उन्होंने
कोशीमासा को
मार डाला!

रुको!
कोशीमासा के पास
पिस्तौल कहा से
आया?

ये कोशीमासा
नकली है!

तो असली
कहां है?

असली
कोशीमासा
को कोर्ट के पिछले
रास्ते से निकालने
की तरकीब काम
कर गई।

कोर्ट परिसर से
बोलियां चलने की आवाजें आ
रही हैं। इसका मतलब उधर नकली
कोशीमासा पर मेरी आशका के
मुनाबिक ही हमला हुआ है।



जल्दी
करो। निकलो
यहां से।



OH NO!
ये लोग यहां भी
आ गए।

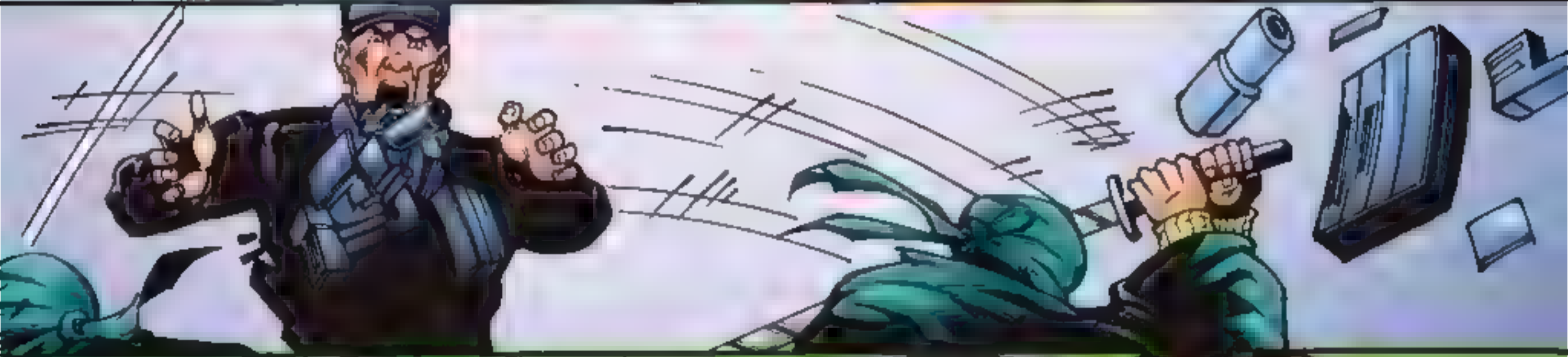


अन दो
इन्हें।





ओह! ये लोग
कुंभफू की बुलैट ब्रेकर
विद्या के माहिर हैं।





आज का दिन बहुत ही
महत्वपूर्ण है। हमें इसे
सफलतापूर्वक पूरा करना
है।

हमारे पास बहुत सारे
सैनिक हैं। हमें इन सैनिकों
को सही तरीके से प्रशिक्षित
करना है। हमें इन सैनिकों
को सही तरीके से प्रशिक्षित
करना है।

हमारे पास
बहुत सारे सैनिक
हैं। हमें इन सैनिकों
को सही तरीके से प्रशिक्षित
करना है।

हमारे पास
बहुत सारे सैनिक
हैं। हमें इन सैनिकों
को सही तरीके से प्रशिक्षित
करना है।



ओह!
ये क्या?

अब तुम्हारी
मदद नागराज श्री नहीं
कर पाएगा।

फट्टी

बूम!!!

क्योंकि नागराज ता
क्या, ओका-बोका के तूफान
के सामने कोई सेना श्री
नहीं टिक सकती।

फट्टी

ओपफ!

ये सार्दानुमा इस लम्बे वस्त्र का इस
तेजी से फहराता है कि उसके नीचे
नीचे हल्का तूफान पैदा हो जाता है।
ये तो हवा को काट कर चक्रवात
पैदा करने में माहिर है।

ओका-बोका
टाईकून है। चक्रवाती
तूफान।

कोई श्री चीज घातक
रूप से टकरा सकती है।

थंड!!!

थंड!!!

थंड!!!

थंड!!!

वो नकाबपोश कोशमासा को ले जा रहा है। कौन है वो दोस्त या दुश्मन?

नकाब में अक्सर दुश्मन होते हैं।

ये इस तूफान से चक्की का काम लेगा,

त्रैस चक्की के दो पाट अपने बीच अनाज के दानों को पीस कर उसका आटा बना देते हैं।

ये भी कुछ ऐसा ही करना चाहता है हमारे साथ।

लेकिन पहले इस चक्रवर्ती तूफान से बाहर निकलना होगा।

नागराज!
कुछ करो। ये हमारी जान ले लेगा।

बैस सिलेंडर्स की गोंब आँन है।
यानी बैस पाइप से रिस रही है।
किसी भी चीज़ के घर्षण से आग
लग सकती है। सिलेंडर फट
सकते हैं।

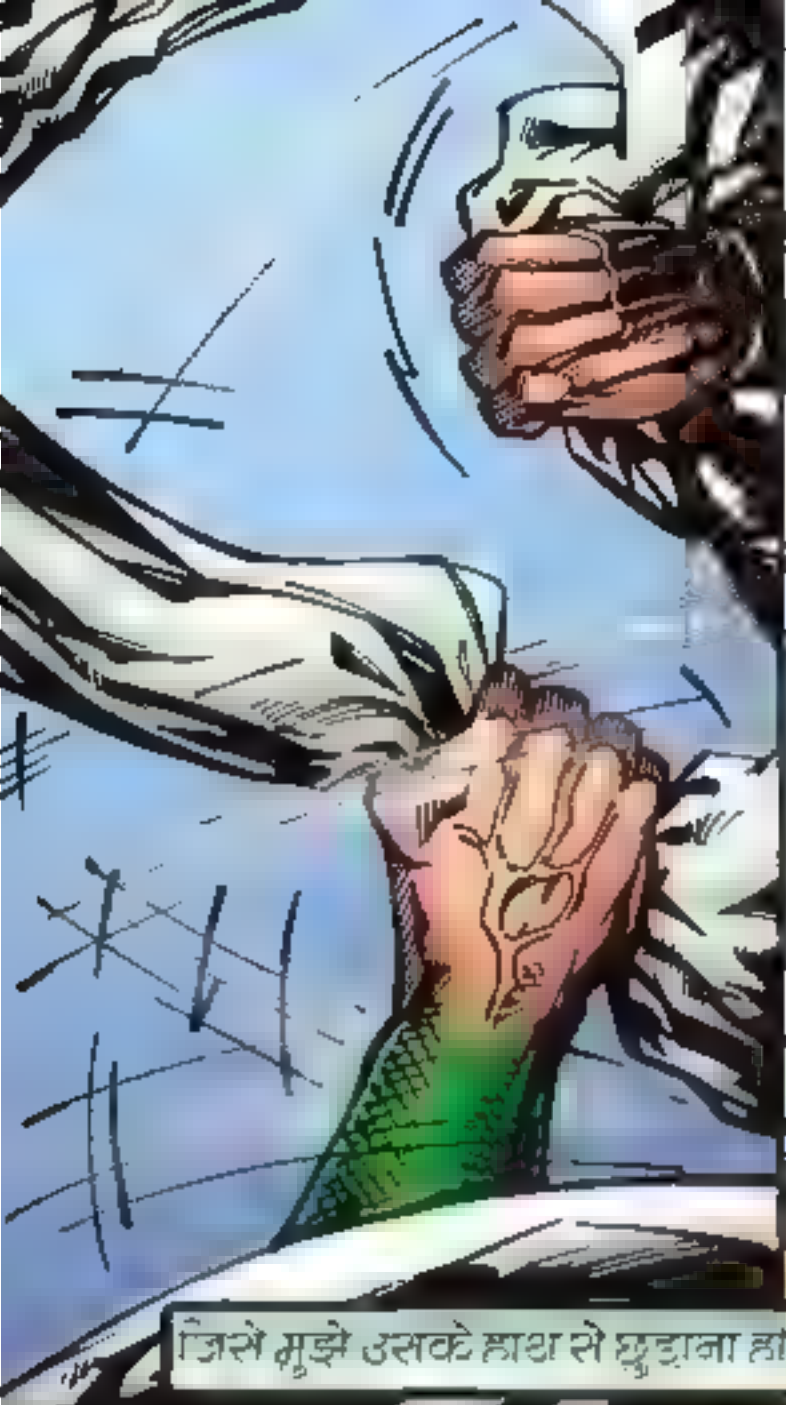
मेरे साँप भी इस नुफान की नेज़ी को चीरकर इस चक्रवात के बाहर नहीं जा पा रहे।

मूझे हवा में घूमने हुए

इस चक्रवात के आखिरा सारे क ठाक
ऊपर ओका बोका दो यस्त्र फहरा रहा है।

इस चक्रवात की ऊचाई की तरफ बढ़ना चाहेंगु।

हाहाहा



जिसे मुझे उसके हाथ से छुड़ाना होगा।



तहाक!!!

आह!

ओह! नकाबपोश, कोशीमासा को लेकर उस कार में फंसा हुआ था।

पर मैं इसे सफल नहीं होने देना।

नागराज जापान
की आजादी में बाधा बन रहा है।
उसे रास्ते से हटाओ।

O.K. BOSS!

यही है जापान
की आजादी का दुश्मन,
नागराज। जिसके कारण कल
श्री गुरु आजाद नहीं
हो सके थे।

पकड़
लो नागराज
को।

उसे जापान
से बाहर का रास्ता
दिखाओ।

ओह! उन्मादी श्रीगुरु मुझे कोशीमासा
का दुश्मन समझ रही है!



वो रहस्यमय नकाबपोश गुरु को शीमासा को ले गया।

नाबाराज!
जापान छोड़ो।



नाबाराज, जापान
की आजादी का दुश्मन
नहीं है।



...नाबाराज
आतंकवाद का
दुश्मन है।
कानून
व न्याय का
रक्षक है।

सुप्रीम कोर्ट में गुरु
को शीमासा का अपराध और देश
द्रोह सिद्ध हो चुका है। उसे मौत
की सजा दी जा चुकी है।

नाबाराज
को छोड़
दो।

छोड़ दो।

धॉर्र
धॉर्र
धॉर्र



आओ
नाबाराज।

हमारी इस प्लानिंग
का हमलावरों को पना कैसे लगा कि
हम पिछले गेट से गुरु को शीमासा
को ले जाने वाले हैं...

... जबकि इस प्लानिंग के बारे में या तो मैं जानता था या आप मिस्टर जेट ली।

नागराज! ओम के सदस्य बहुत शांति हैं। उन्हें पहले से ही ये आभास होगा कि उनके हमलों की आशंका के कारण हम पिछले रात से कोशीमासा को निकाल सकते हैं। इसलिए उन्होंने दोनों ओर अपने आइमियों को तैयार रखा।

नकली कोशीमासा का रहस्य उन पर प्रत्यक्ष ही खुल गया, तो पिछले गेट पर तैयार ओका ओका ने हम पर हमला किया।

सरा! एक हमलावर की तलवार हमारे कमाण्डो की गोली लगाने से यहां छूट गई है।

ओहा! यह याकूजा का माफ़ है। इसका मनबुझ नकली कोशीमासा पर हमला करने वाली क्रियो थी।

नाकिन उसकी काशीमासा से क्या दुश्मनी थी? क्या किया का किसी ने कोशीमासा की सुपारी दी है? यह दोनों हमने अलग अलग थुप्स ने किए हैं।

जेट ली की थ्यारी श्रवण है कि दोनों हमलों में ओम का हाथ था। एक हमला उसे बचाने के लिए किया गया था। दूसरा उसे मारने के लिए। तो फिर ओम को सही सूचनाएं कौन दे रहा है?

कौन था वो नकाबपोश? क्यों वो अपनी पहचान छुपाना चाहता था? क्या जापानवासी उसे पहचानने हैं?

क्या कोर्ड दाहरी चाल चली आ रही है? क्या कोर्ड खल रहा है डबल ओम?

क्या सोच रहे हो नागराज?

मैं सोच रहा हूँ कि कहीं इस घटना के पीछे शांतियो सभटन का हाथ तो नहीं?

क्योंकि 'शांतियो' का गुरु शिगेहीरो है, जो कभी ओम का एक कट्टर अनुयायी था।

शांतियो का संपर्क कोशीमासा से भी हो सकता है। दिखाने के लिए वो ओम का विरोधी हो सकता है। क्योंकि ओम का सहयोगी रह कर वो ना नो धर्म सभटन चला सकता है न धर्म सभटन की आद में ओम की गतिविधियों को ही आगे बढ़ा सकता है।

वो ऐसा नहीं कर सकता।

क्योंकि ये प्रश्न मेरे भी दिमाग में था। वो जापानी इन्टेलीजेंस की नजर में है।

फिर यदि शिगेहीरो कोशीमासा को सपोर्ट कर रहा होता तो उसके विरुद्ध ऐसी गवाही ना देना, जिस पर उसकी मौत की सजा का पूरा दायरामदार था।

मिलिटरी जेट हूँ। आपके रहने हुए भी ओम कोशीमासा को आजाद कराने में सफल हो गया।

अमेरिका बहुत क्रोध में है। आपकी गैर जिम्मेदारी की सजा पूरा जापान झुगतेगा।

फिर भी मैं उसको खुद चेक करना चाहता हूँ। तुम चाहो तो साथ चल सकते हो।

मैं तुम्हारे साथ हूँ।

बीप!

बीSSSP

मुझे 24 घंटे में
कोशीमासा चाहिए
जिंदा या मुर्दा।

महीं तो उसकी
सजा आप भुगतेंगे।

फ्यूरियस फाइव

हमारे
होनहार फाइटर
हैड-ली और शूतिन
के बाद अब ओका
ओका भी मारा
गया।

हमारी जगह
गुरु कोशीमासा को कोई
और ले गया और तब से गुरु
कोशीमासा हमसे कोई
संपर्क भी नहीं कर
रहे हैं।

उन्हें हमारे अलावा
और कौन जेल से ले जाने
की सोच सकता है?

अब क्या
करें?

उन्हें कहा
दुंदें?

हम तब
तक कुछ
नहीं कर सकते
जब तक पहले की
तरह ही गुरु
कोशीमासा हमसे
मानसिक संपर्क
स्थापित ना
करें।

शांतिया

तुम्हें पता होगा कि गुरु
कोशीमासा का सुप्रीम कोर्ट परिसर
से अपहरण हो गया है।



मिस्टर ऑंगी कृष्ण! मैं मिनिस्ट्री इंटेलीजेंस का जासूस जेट ली हूं।

आप जापानी हैं। सरकारी आफसर जी। आप चाहें या जापानी पुलिस चाहे तो ये काम कर सकती है। मगर नागराज एक विदेशी है। वो कौन होता है यहां आकर तलाशी लेने वाला?

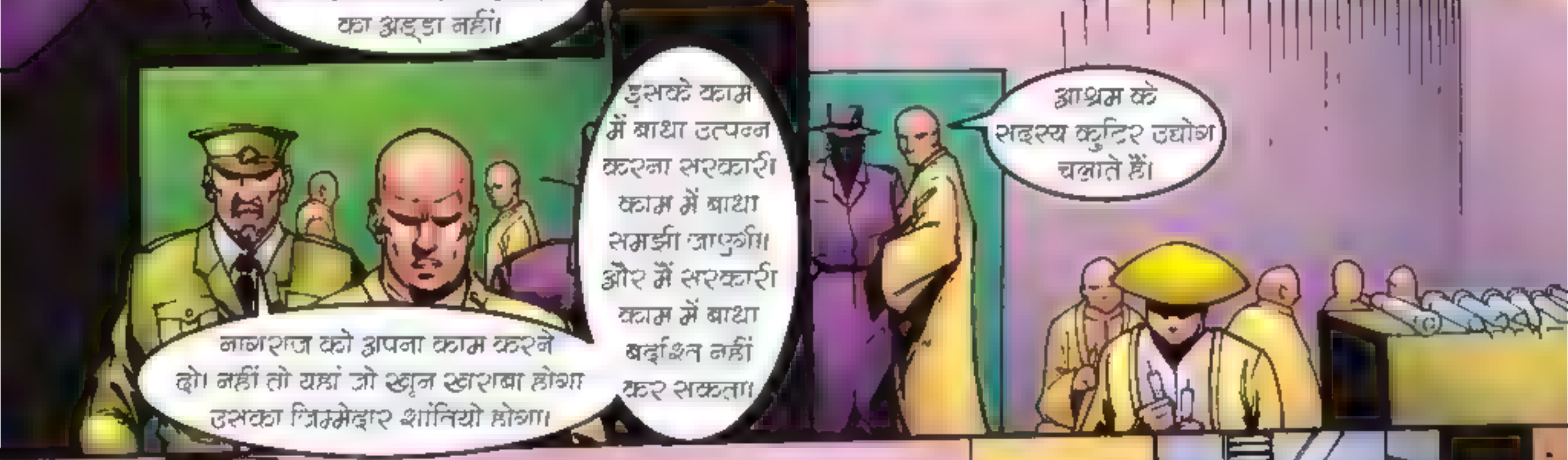
मैं नागराज! शांतिपूर्ण ढंग से 'शांतियो' की तलाशी लेना चाहता हूं।

ओह! तो तुम हो नागराज।

ये धार्मिक स्थल है। किसी आतंकवादी या अपराधी का अड्डा नहीं।

नागराज जो चाहता है, उसे करने दो। उसे जापान सरकार का सहयोग प्राप्त है।

आतंकवाद किसी एक देश की समस्या नहीं है। आतंकवाद के ख़ात्मे के लिए नागराज को विश्व के लगभग सभी देशों का समर्थन प्राप्त है।



इसके काम में बाधा उत्पन्न करना सरकारी काम में बाधा समझी जाएगी। और मैं सरकारी काम में बाधा बर्दाश्त नहीं कर सकता।

नागराज को अपना काम करने दो। नहीं तो यहां जो खून खराबा होगा उसका जिम्मेदार शांतियो होगा।

आश्रम के सदस्य कुटिर उद्योग चलाते हैं।



इसी से आश्रम का खर्च चलता है।

इन्होंने अपनी तरह से तलाशी दे दी।
अब मैं अपनी तरह से तलाशी लूंगा।



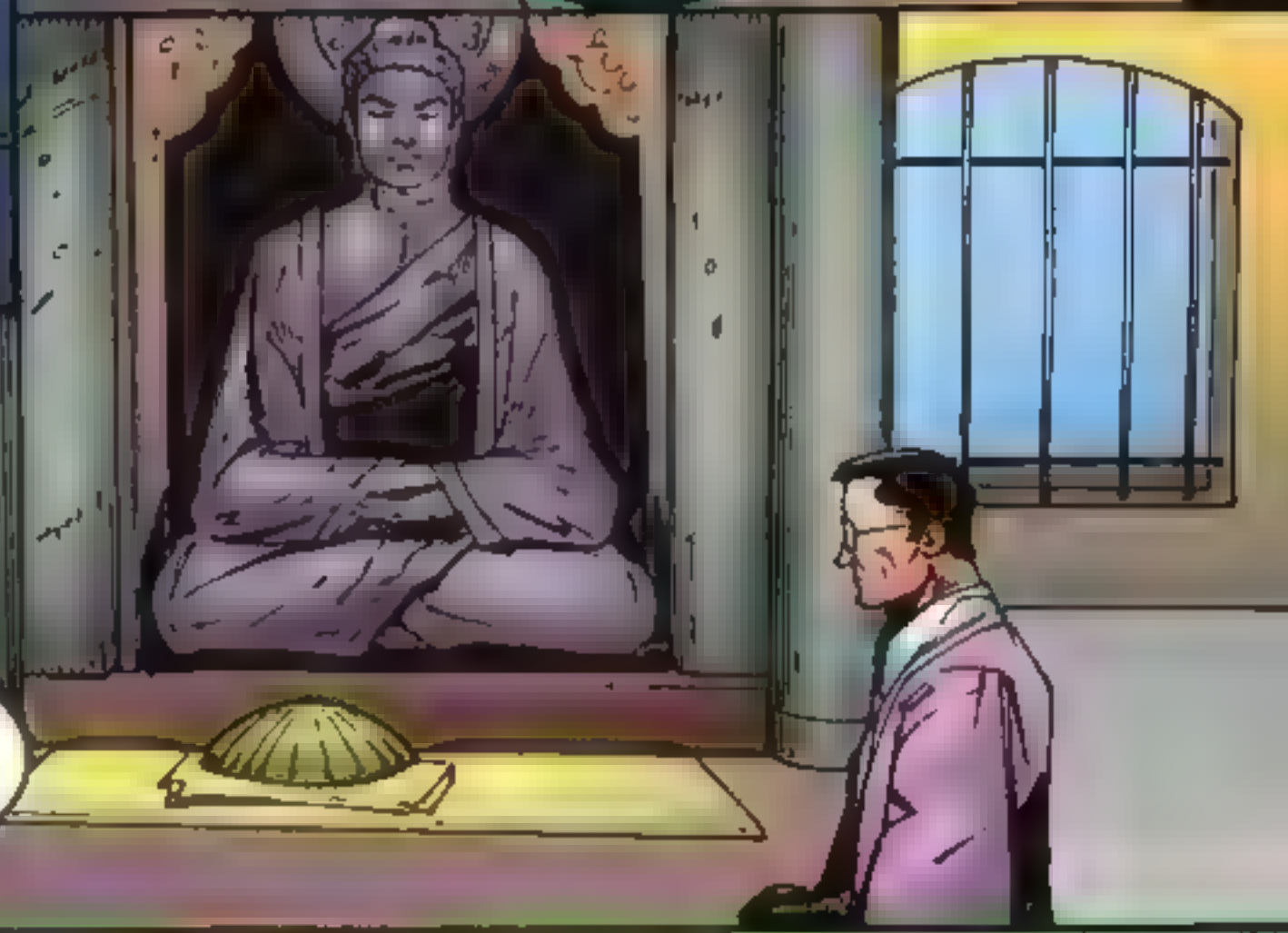
ये नागरात्र की ज्यादानी
है। हम शान्तियों में सांपों को
बर्दाश्त नहीं कर सकते।

वे. ये साप
किसी का अहित
नहीं करेंगे।



सभी जगह
की तलाशी की जा
चुकी है।

यदि आपको कोई आपत्ति
ना हो तो मैं आपके आसन की
तलाशी लेना चाहता हूं।



बस! बहुत ही
गया। ये हमारे गुरु
का अपमान है।

ऐसा तुम
समझने हो।



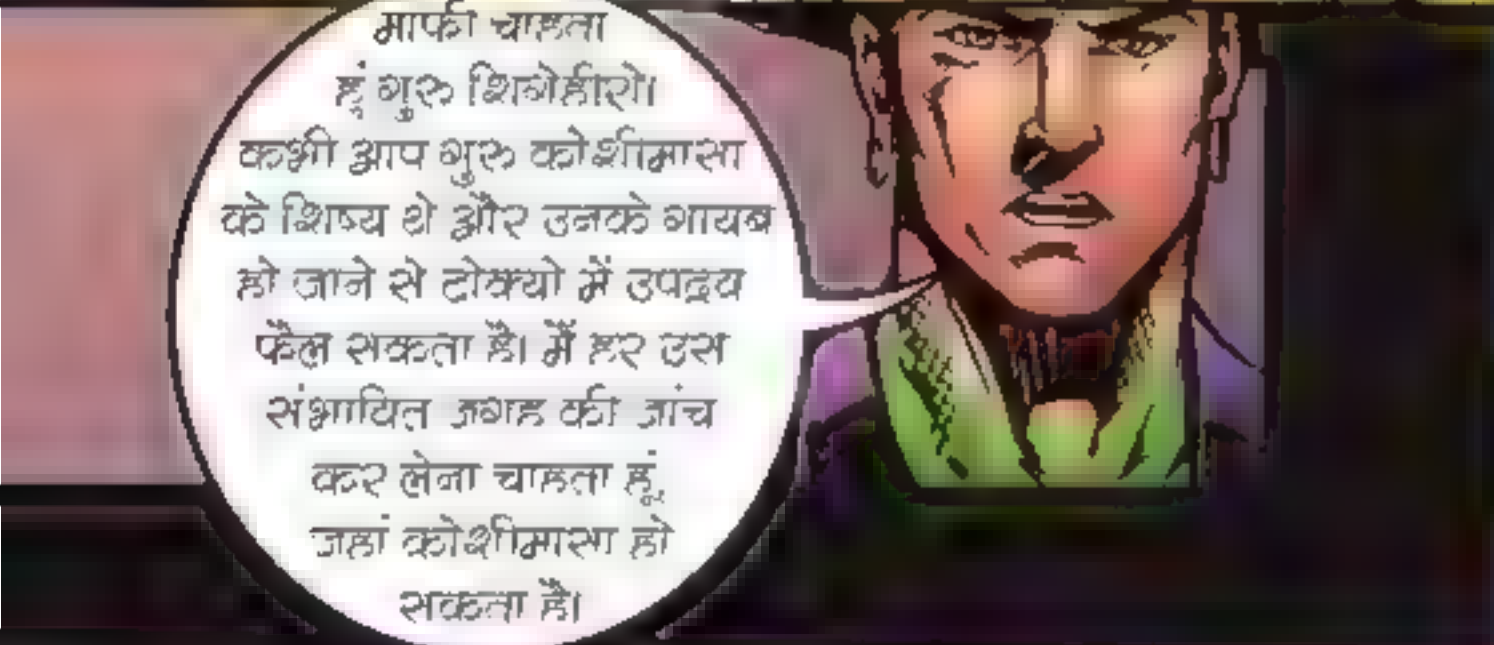
जो भी हो। गुरु
को अपने स्थान से उठने
के लिए कोई मंत्रबूर
नहीं कर सकता।



तो फिर मुझे कटाना
उठाने से भी कोर्ड नहीं
रोक सकता।



उहहरा।
नारायण। तुम जहा
चाहे वहां की तलाशी
ले सकते हो।



माफी चाहता
हूं गुरु शिबोहीरो।
कभी आप गुरु कोशीमासा
के शिष्य थे और उनके गायब
हो जाने से दोक्यो में उपद्रव
फैल सकता है। मैं हर उस
संभावित जगह की जांच
कर लेना चाहता हूं,
जहां कोशीमासा हो
सकता है।



तुम्हें उनकी नाराजगी
की परवाह नहीं करना चाहिए
थी। तुम बिना तलाशी लिए
क्यों चले आए?

अगर शिबोहीरो
उठने में आनायानी
करता तो मैं जरूर
तलाशी लेता। मगर
आप इतना क्रोधित
क्यों हो रहे थे?

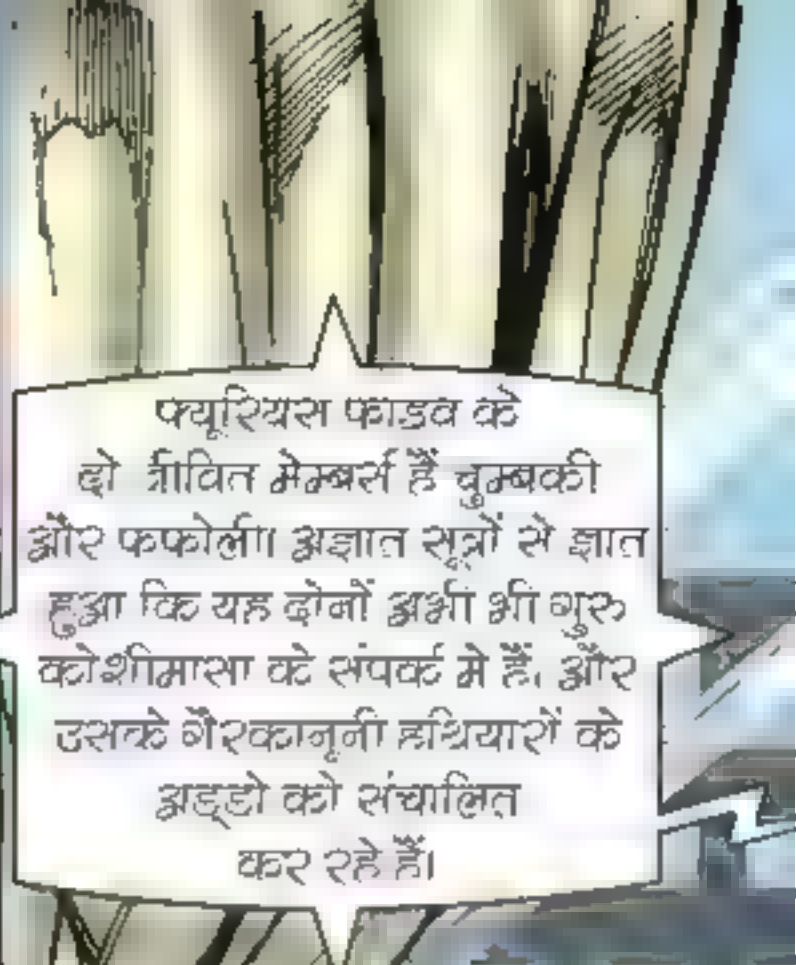


लेकिन अब मुझे
आपके आसन की तलाशी
की जरूरत नहीं है। आइए
मिस्टर जेटली।

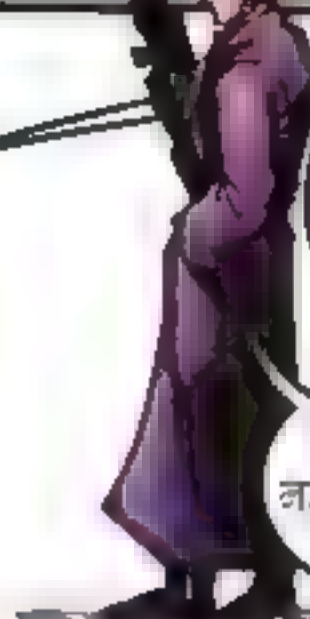


क्रोधित तो मैं पहले से ही था। तुम्हारे विरुद्ध इन लोगों के व्यवहार ने मेरे क्रोध की आग पर पेट्रोल डालने का काम किया है। यहां आने से पहले मेरे अफसर ने फोन पर मुझे निष्कर्षा कहा।

उसने यह कैसे मुझसे छीन लिया है नागराज।



फ्यूरियस फाइव के दो ग्रीवित मेम्बर हैं चुम्बकी और फफोली। अज्ञात सूत्रों से ज्ञात हुआ कि यह दोनों अभी भी गुरु कोशीमासा के संपर्क में हैं, और उसके गैरकानूनी ऋधियारों के अड्डों को संचालित कर रहे हैं।



सॉरी नागराज। मुझे अब जाना होगा। लेकिन कोई जरूरत पड़े तो मुझे याद करना।

कोई खान नहीं जेट ली। बाय।

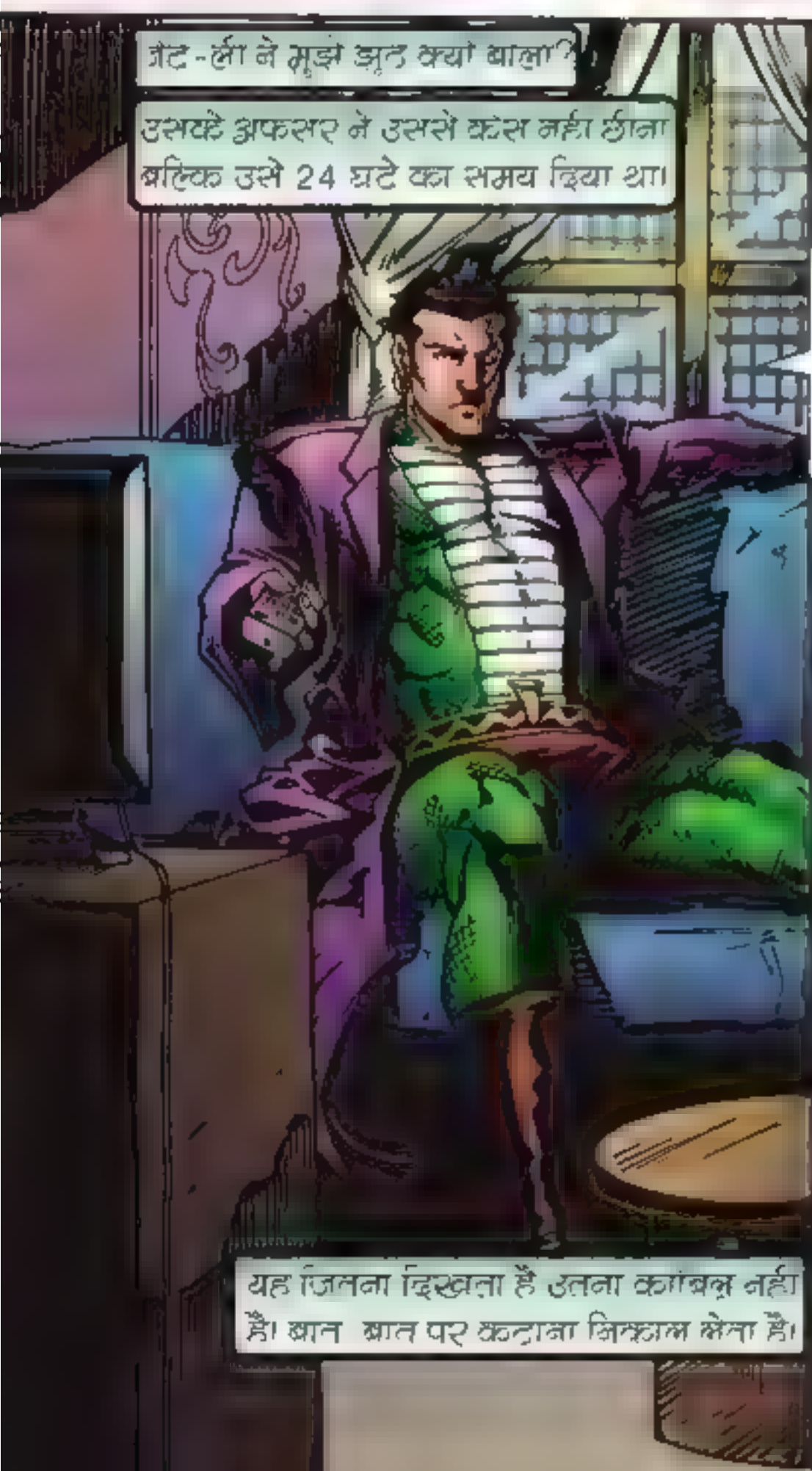
बाय नागराज।

जेट-ली ने मुझे अट क्यों बोला?

उसके अफसर ने उससे कैसे नहीं छीना बल्कि उसे 24 घंटे का समय दिया था।

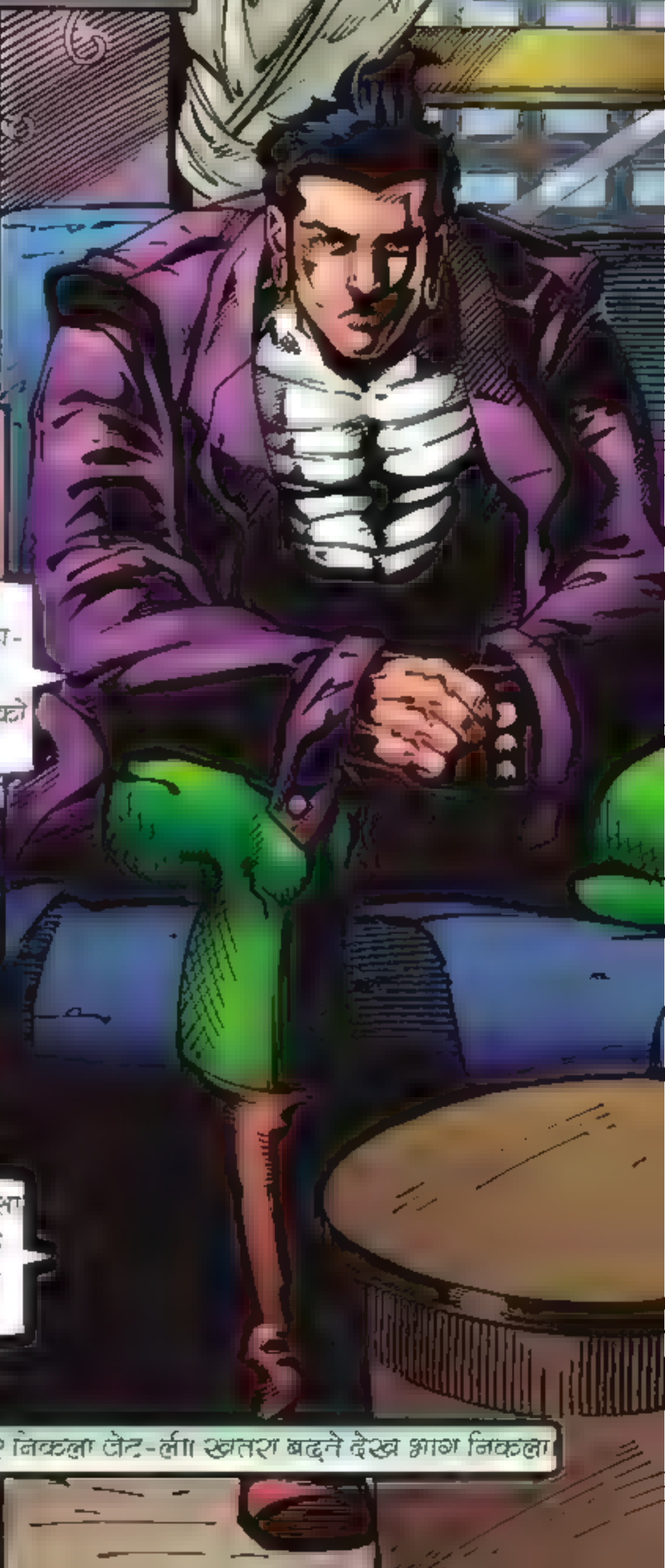
मुझे तो सद्वृत्त है कि इसे कटाना चलाती भी आती है या नहीं।

सनसनीखोज खुलासा। डेड-ली, शनिन और ओका-ओका फ्यूरियस फाइव नामक पांच खूंखार लड़ाकों के ग्रुप के सदस्य हैं।



ओम के गुरु कोशीमासा को आग्राह करने के लिए हुई इस ग्रुप की स्थापना

यह जितना दिखता है उतना काबिल नहीं है। खान खान पर कटाना निष्कर्षा लेना है।



लेकिन अच्छा ही हुआ अब मैं स्वतंत्र रूप से अपना काम कर सकूंगा।

जापान के मिलिट्री बेसिस पर अमेरिकन सेना की गतिविधियां तेज हुईं।

अब मेरा निशाना होगा...

...फ्यूरियस फाइव!!

गुरु कोशीमासा! आप कहां हैं?

मैं आजाद हो चुका हूं, और तुमसे शीघ्र ही शेंट करूंगा फिलहाल व्यर्थ की बातों में समय मत बंवाओ।

...हम आजादी के निकट हैं।

डैड-ली, शूतिन और ओका-बोका ने जो कुरबानियां दीं...

उन्हें हर जापानी याद रखेगा।

कोई भी आजादी शहीदों का खून मांगती है। खून रंग लाएगा।

फिलहाल तुम्हारे अगले मिशन बहुत महत्वपूर्ण हैं।

ध्यान से सुनो।

गुरु कोशीमासा को नागराज के साथ पूरी जापान की जनता भी दूंद रही है।

गुरु कोशीमासा का स्वागत है।

गुरु जी! प्रलय नजदीक है। अभिन अवतार को जगाने का समय आ गया है।

मैंने आपके मनोरंजन का भी इंतजाम किया है गुरु जी।

देख रहे हैं इन अमेरिकी कुत्तों को? इन पर आरोप था कि इन्होंने ओकीनावा की दो लड़कियों को सताया था।

लेकिन ये कमीने अमेरिकन्स, हमेशा की तरह अत्याचार करके मुकर गए। जापान छोड़कर भाग रहे थे।

मैंने इन्हें उठवा लिया। 50 साल पहले एक अमेरिकन ने मेरी मां के साथ भी अत्याचार किया था।

आह!

तब मैंने आपकी भविष्यवाणियां सुनीं। मुझे लगा कि आपकी शरण में पहुंचकर ही मैं अपने देश को इन हैवानों से आजाद करवा सकता हूं। इसीलिए मैंने ओम उवाइन किया और आपके गैर कानूनी हथियारों के डिपार्टमेंट को संभालने लगा।

किसी ने उनकी ना सुनी, मेरी मां ने आत्महत्या कर ली। मैं खून के आंसू रोया था। लेकिन इनके खिलाफ कुछ ना कर सका था।

लेकिन टोमो शोबो की वजह से सब गड़बड़ हो गई और आप फंस चुके थे।

तब मैंने आपके दो-एक अड़्डे पकड़वा दिए। आपके खिलाफ गवाही दी। खून बच निकला और अहिंसा का ढोंग करके शांतियों चलाने लगा। सही समय तलाश रहा था सो वो आ गया है।

अब आपका शिष्य आपकी कृपा से इन कमीनों से अपने देश को आजाद कराकर रहेगा।

ये है ओम-फ्यूरियस फाइव के गैर कानूनी हथियारों का अड्डा, जहां नर्व बैस, सर्रीन और बायोलोजिकल हथियार बनाए जाते हैं।



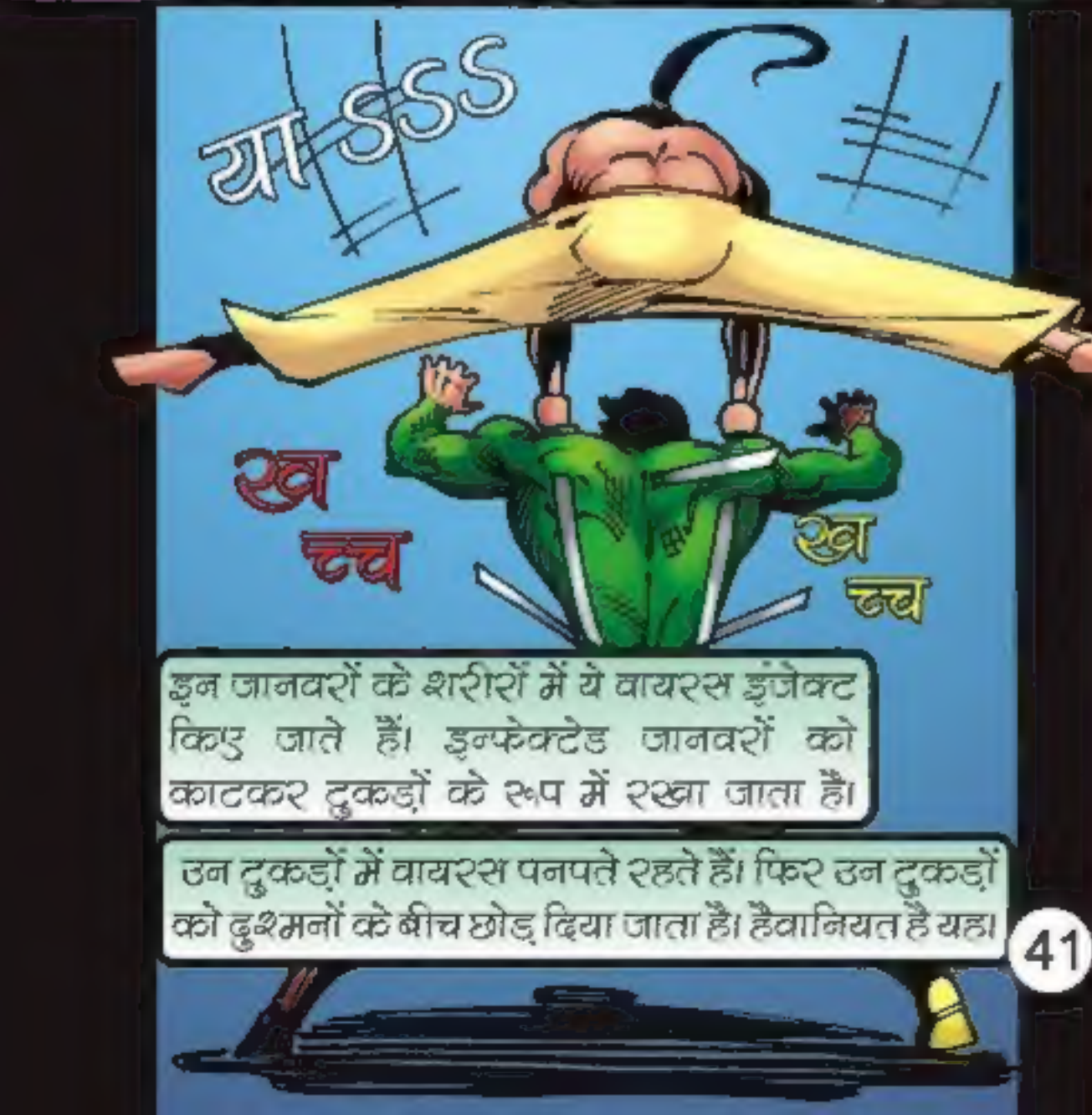
एक लम्बी थकानभरी पूछताछ के बाद मैं यहां पहुंच पाया।



या SSS ई SSS



वहां बड़ी संख्या में गाय, भैंस, बकरियों कि सप्लाई होती थी जिसका इस्तेमाल ये दरिंदे एंथ्रेक्स, इबोला इत्यादि मारक वायरस बनाने में करते थे।



इन जानवरों के शरीरों में ये वायरस इंजेक्ट किए जाते हैं। इन्फेक्टेड जानवरों को काटकर टुकड़ों के रूप में रखा जाता है।

उन टुकड़ों में वायरस पनपते रहते हैं। फिर उन टुकड़ों को दुश्मनों के बीच छोड़ दिया जाता है। हैवानियत है यह।



एक बड़ी तादाद में यहां नर्व बैस सर्रीन बनाने के लिए केमिकल्स की सप्लाई की गई।

जिन्हें ये लोग पेस्टी साइड्स में इस्तेमाल के नाम पर मंगवाते थे।



किंतु ये फसलों के कीड़े नहीं इंसानों को कीड़ों की तरह मारने का सामान तैयार कर रहे थे।



एक ही जगह पर इन सभी तब्राही के सामान की सप्लाई ने मुझे यहां पहुंचा दिया।



और मैं सही जगह पहुंचा।

एक घाव दिया है...

...सौ खाओगे।



फिलहाल तो सौ घेरे खादे हैं।

शहस्यों के जाला
को काटेगी

टीमो